सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 8 ● अंकः 271 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 12 नवम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

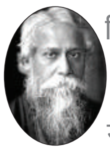

किसी बच्चे की शिक्षा अपने ज्ञान तक सीमित मत रखिये, क्योंकि वह किसी और समय में पैदा हुआ है।
-रविन्द्रनाथ टैगोर

मैनपुरी की जनता बोली, हमें बीजेपी... 8 | मैनपुरी का किला भेदने के लिए... 3 | राजस्थान में ओबीसी आरक्षण पर... 7

डेंगू के खिलाफ जंग तेज

कोविड की तर्ज पर डेडिकेटेड डेंगू हॉस्पिटल एक्टिव हो : योगी

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सख्त आदेश, डेंगू के लिए अस्पतालों में बेड रिजर्व रहें मंत्री फील्ड में रहें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वास्थ्य विभाग को लेकर बेहद संवेदनशील है। डेंगू जिस तरह से लगातार पूरे प्रदेश में पैर पसार रहा है। इसको लेकर प्रदेश सरकार के माथे पर चिंता की लकीरें साफ तौर पर देखी जा सकती है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री अब खुद इसकी मानिटरिंग कर रहे हैं। अपने आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में डेंगू व अन्य संचारी रोगों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए रोकथाम के लिए प्रयासों को और तेज करने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि विगत कुछ सप्ताह के बीच डेंगू व अन्य संचारी रोगों के दुष्प्रभाव में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। इनकी बेहतर स्क्रीनिंग के लिए सर्विलांस को बेहतर करने की आवश्यकता है। आशा बहनों का सहयोग लें। घर-घर स्क्रीनिंग कराएं।

लक्षणयुक्त मरीजों की पहचान कराते हुए उनके समुचित इलाज की व्यवस्था कराई जाए। डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल की भांति डेडिकेटेड डेंगू अस्पताल एक्टिव किये जाएं। कम से कम हर जिले में एक ऐसा डेडिकेटेड अस्पताल जरूर क्रियाशील हो। यहां चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता हो, जांच की सुविधा हो, उपचार की पर्याप्त व्यवस्था हो। सभी मंत्री फील्ड में बने रहें। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए अस्पताल में आने वाले हर मरीज को बेड मिले, बेड रिजर्व रहे। उसकी विधिवत चिकित्सकीय जांच हो और समय पर इलाज किया जाए। हमारे सभी मेडिकल कॉलेजों सहित जिला अस्पताल, पीएचसी, सीएचसी व अन्य उच्च स्तरीय संस्थान साधन संपन्न हैं। इसका लाभ लोगों को मिलना चाहिए।

बचाव के लिए विभाग जागरूकता कार्यक्रम चलाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास, पंचायती राज और सूचना विभाग व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाएं। डेंगू के कारण, लक्षण, बचाव आदि के बारे में लोगों को सही जानकारी दी जाए। अखबारों में जागरूकता परक विज्ञापन, पब्लिक एड्रेस सिस्टम आदि के माध्यम से इस बीमारी के कारण प्रभाव और उपचार के बारे में बताया जाए। डेंगू मरीजों के लिए हर सरकारी अस्पताल में आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं। हर जिले में डेंगू टेस्टिंग और प्लेटलेट्स की जांच की सुविधा होनी चाहिए। नगर विकास व पंचायती राज विभाग द्वारा फॉगिंग का कार्य नियमित कराया जाए।

स्वास्थ्य सेवा अथवा सुरक्षा में तैनात कार्मिकों से मरीजों के तीमारदारों के साथ सहयोगपूर्ण व्यवहार बनाने की अपेक्षा है।

प्रयागराज में माघ मेला की तैयारियां समय से पूर्ण हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज में त्रिवेणी तट पर माघमेला की तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। हर श्रद्धालु-हर कल्पवासी अपने व्रत-संकल्प की पूर्ति अपनी आस्था अनुरूप कर सकें, इसके लिए हमें अच्छी व्यवस्था देनी होगी, उनकी जरूरतों का ध्यान रखना होगा। साधु-संतों और कल्पवासियों से संवाद बनाएं। मेला स्थल पर अस्थायी निर्माण का कार्य तेजी से पूर्ण कर लें। प्रयागराज माघ मेला के सुचारु आयोजन के लिए विशेष सचिव और पुलिस अधीक्षक स्तर के एक-एक अधिकारी की तैनाती तत्काल कर दी जाए, मेले की व्यवस्था के प्रति इन अधिकारियों की जवाबदेही होगी।

किसानों की सुविधा के दृष्टिगत सभी क्रय केंद्र क्रियाशील रहें। धान क्रय केंद्रों पर किसानों का पूरा ध्यान रखा जाए।

हिमाचल में 68 सीटों के लिए वोटिंग जारी

» एक बजे तक 37.19 फीसदी हो चुका है मतदान

» मुख्यमंत्री के गृह जिले मंडी में सबसे ज्यादा वोट पड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल की 68 विधानसभा सीटों पर वोटिंग जारी है। दोपहर 1 बजे तक 37.19 फीसदी मतदान हो चुका है। सबसे ज्यादा 43.33 फीसदी मतदान कुल्लू में हुआ। दूसरे नंबर पर सिरमौर जिले में 41.89 फीसदी मतदान हुआ है। वहीं मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर का गृह जिला मंडी अब 41.17 फीसदी वोटिंग के साथ तीसरे नंबर पर है। सबसे कम 22 फीसदी मतदान लाहौल स्पीति में हुआ है।

वोटिंग शाम 5 बजे तक चलेगी। चुनाव अधिकारियों का कहना है कि मतदान पर सर्दी और बर्फबारी का असर देखा जा रहा है। पूरे हिमाचल से 412 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य के करीब 56 लाख मतदाता इनकी किस्मत का फैसला करेंगे। इनमें 28 लाख 54 हजार 945 पुरुष, 27 लाख 37 हजार 845 महिलाएं और 38 थर्ड जेंडर वोटर हैं। मतगणना 8 दिसंबर को होगी। 2017 में राज्य में 75.57 फीसदी मतदान हुआ था। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति जिले के टशीगंग में बना दुनिया का सबसे ऊंचा पोलिंग बूथ। यह 15256 फीट की ऊंचाई पर है, जहां 52 मतदाता हैं। 100 फीसदी वोटर टर्न आउट के लिए इसे मॉडल पोलिंग स्टेशन बनाया गया है।

412 उम्मीदवार पूरे हिमाचल से चुनाव मैदान में हैं।

56 लाख मतदाता करेंगे इनकी किस्मत का फैसला

उपचुनावों के बीच सपा 22 नवंबर को मनाएगी मुलायम की जयंती

» सभी जिलों में होंगे आयोजन, विचारधारा और संघर्षों को करेंगे याद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा सीट और रामपुर व खतौली विधानसभा सीट पर उपचुनावों के बीच समाजवादी पार्टी अपने संस्थापक मुलायम सिंह यादव की जयंती 22 नवंबर को मनाएगी। पार्टी ने सभी जिलों में मुलायम का जन्मदिन सादगी के साथ मनाने के निर्देश दिए हैं। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि हर जिले में पार्टी के प्रत्येक कार्यालय में नेताजी के चित्र पर कार्यकर्ता पुष्पांजलि अर्पित करेंगे।

इस दौरान कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा व उनके संघर्ष को याद करेंगे। इस अवसर पर अस्पतालों में फल वितरण, रक्तदान शिविर, हवन पूजन, गरीबों में वस्त्र तथा भोजन वितरण आदि कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। मुलायम सिंह यादव ने चार नवंबर, 1992 को लखनऊ में समाजवादी पार्टी का स्थापना की थी। सांप्रदायिकता के खिलाफ और समाजवाद, लोकतंत्र तथा धर्मनिरपेक्षता के पक्ष में समाजवादी पार्टी ने लगातार संघर्ष किया है। मुलायम सिंह का निधन 10 अक्टूबर को हो गया था।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर हुई जांच में असुरक्षित पाए गए यूपी के 25 पुल

» प्रदेशव्यापी जांच में कुल 5283 सेतुओं का किया गया परीक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इन क्षेत्रों के सेतुओं में साधारण मरम्मत की जरूरत

आजमगढ़ क्षेत्र के 92, गोरखपुर क्षेत्र के 447, बस्ती क्षेत्र के 239, अयोध्या क्षेत्र के 277, देवीपाटन क्षेत्र के 438, झांसी क्षेत्र के 28, चित्रकूट धाम क्षेत्र के 124, सहारनपुर क्षेत्र के 381 और अलीगढ़ क्षेत्र के 361 सेतु संरचनात्मक दृष्टि से सुरक्षित पाये गए हैं। यद्यपि इन क्षेत्रों के कुछ सेतुओं में साधारण मरम्मत की जरूरत बताई गई है।

लखनऊ। गुजरात के मोरबी में केबल ब्रिज टूटने की दुर्घटना के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग की ओर से कराई गई प्रदेशव्यापी जांच में प्रदेश में 25 सेतु असुरक्षित पाये गए हैं। लोक निर्माण विभाग ने प्रदेश के 5283 सेतुओं की मजबूती की जांच की। इनमें 4945 निर्मित पक्के सेतु, 294 निर्माणाधीन पक्के सेतु और 44 पान्टून पुल शामिल हैं। लोक निर्माण विभाग जांच में 25 सेतु असुरक्षित पाये गए हैं।

असुरक्षित पाये गए सेतुओं में सात मेरठ, चार चंदौली, दो-दो मीरजापुर, प्रतापगढ़ व मीरजापुर तथा एक-एक आगरा, वाराणसी, जौनपुर, शाहजहांपुर, बरेली और मुरादाबाद जिले में हैं। आगरा क्षेत्र के 418 सेतुओं में से खेरिया एयरपोर्ट सेतु की बियरिंग और ज्वाइंट्स बदलने की आवश्यकता बताई गई है। लखनऊ क्षेत्र के 260 में रायबरेली में दो सेतु सुरक्षित नहीं बताये गए हैं जिनके स्थान पर नये सेतुओं के निर्माण का एस्टीमेट भेजा गया है। वाराणसी क्षेत्र के 262 में छह सेतुओं की मरम्मत की जरूरत है। मीरजापुर ने सिंचाई विभाग के

स्वामित्व वाले गंगा नहर पुल और इमिलिया चट्टी कैनाल ब्रिज के स्लैब को क्षतिग्रस्त बताया है। क्षेत्र के कुछ सेतुओं की पैरापेट व विंग वाल टूटी हैं जिनकी मरम्मत की जरूरत है। मिर्जापुर क्षेत्र के 261 में से 259 सेतु मजबूत हैं। प्रयागराज क्षेत्र के 290 सेतु में प्रतापगढ़ में लालगंज-कालाकांकर मार्ग के किमी-34 और मानिकपुर सहजनी संपर्क मार्ग के किमी-5 पर स्थित सेतुओं के स्लैब के नीचे छड़ें दिखाई देने पर उसकी मरम्मत कराने को कहा गया है। कानपुर क्षेत्र के 363 में से कानपुर नगर के पुराने गंगा पुल के ऊपरी और निचले डेक मार्ग यातायात के लिए पहले से बंद हैं। इन सेतुओं के पुनर्निर्माण के लिए सेतु निगम की ओर से कार्यवाही की जा रही है। मेरठ क्षेत्र के 396 में से पांच सेतुओं को यातायात के लिए असुरक्षित घोषित करते हुए उन पर चेतावनी का बोर्ड लगाने के अलावा दो क्षतिग्रस्त लघु सेतुओं के स्थान पर नए लघु सेतुओं के निर्माण का एस्टीमेट भेजा गया है। बरेली क्षेत्र के 270 में परसाखेड़ा रेल उपरिगामी सेतु की हालत को यातायात की दृष्टि से असंतोषजनक बताया गया है। शाहजहांपुर में कोलाघाट सेतु पर यातायात खोलने के लिए सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट से अनापत्ति प्रमाणपत्र मांगा गया है। मुरादाबाद क्षेत्र के 376 सेतु में मुरादाबाद-फर्रुखाबाद मार्ग पर स्थित सेतु भी यातायात के लिहाज से असुरक्षित पाया गया है। आजमगढ़ क्षेत्र के 92, गोरखपुर क्षेत्र के 447, बस्ती क्षेत्र के 239, अयोध्या क्षेत्र के 277, देवीपाटन क्षेत्र के 438, झांसी क्षेत्र के 28, सहारनपुर क्षेत्र के 381 और अलीगढ़ क्षेत्र के 361 सेतु संरचनात्मक दृष्टि से सुरक्षित पाये गए हैं।

सड़कों की मरम्मत के चार दिन बचे, 66 फीसदी गड्ढे भरे

» 38 नई सड़कें बनीं, कई सड़कों का काम अब भी अधूरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में लगातार कोशिशों के बावजूद लोक निर्माण विभाग विभागीय सड़कों पर बने गड्ढे भरने और क्षतिग्रस्त सड़कों को ठीक करने के काम को तय समय में पूरा करते नजर नहीं आ रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा निर्धारित समय सीमा 15 नवंबर महज चार दिन बाद पूरे हो रहे हैं। नौ नवंबर तक की रिपोर्ट बता रही है कि राज्य में सड़कों के गड्ढे भरने (पैच मरम्मत) का काम 66 फीसदी पूरा हो गया था। वहीं सड़कों को नये सिरे से बनाने (नवीनीकरण) का काम महज 38 फीसदी ही पूरा हो सका था। सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए किए जा रहे पैच मरम्मत में 9 नवंबर तक वाराणसी क्षेत्र ने 81 फीसदी काम पूरा कर लिया था। वहीं गोंडा क्षेत्र की प्रगति सबसे खराब महज 56 फीसदी रही। वाराणसी के बाद सहारनपुर क्षेत्र में 78 फीसदी, मुरादाबाद क्षेत्र में 76 फीसदी पैच मरम्मत का काम पूरा कर लिया था।

गायत्री प्रजापति के मामले में सीजेएम से स्पष्टीकरण तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे गायत्री प्रसाद प्रजापति के अपील पर मामले की पी?ता को नोटिस प्राप्त कराने के सम्बंध में स्पष्ट रिपोर्ट न दाखिल करने पर सख्त रुख अपनाते हुए, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, लखनऊ से स्पष्टीकरण तलब किया है। गायत्री प्रजापति दुराचार के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 16 नवम्बर की तिथि नियत की है।

यह आदेश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा व न्यायमूर्ति रेणु अग्रवाल की खंडपीठ ने गायत्री प्रजापति की अपील पर पारित किया। उल्लेखनीय है कि 18 फरवरी, 2017 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गायत्री प्रसाद प्रजापति व अन्य छह अभियुक्तों के खिलाफ थाना गौतमपल्ली में गैंगरेप, जानमाल की धमकी व पॉक्सो एक्ट के तहत

मुकदमा दर्ज हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमा दर्ज करने का आदेश पीड़िता की याचिका पर दिया था। पीड़िता ने गायत्री प्रजापति व उनके साथियों पर गैंगरेप का आरोप लगाते हुए अपनी नाबालिग बेटी के साथ भी जबरन शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया था। 18 जुलाई, 2017 को पॉक्सो की विशेष अदालत ने इस मामले में गायत्री समेत सभी सात अभियुक्तों विकास, आशीष, अशोक, अमरेंद्र, चंद्रपाल व रुपेश्वर के खिलाफ आरोप तय किया था।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को चुनाव समेत दूसरे कामों में लगाने पर रोक

» हाईकोर्ट ने टिप्पणी संग जारी किया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को चुनाव समेत अन्य दूसरे कामों में लगाने पर रोक लगा दी है। अदालत ने अपने आदेश की प्रति मुख्य सचिव को भेजा है जिससे कि वह संबंधित जिलाधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी कर सकें।

मालूम हो कि प्रदेश में 1.89 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। न्यायमूर्ति आलोक माथुर की एकल पीठ ने यह फैसला मनीषा कनौजिया व एक अन्य की याचिका पर दिया। याचियों का कहना था कि वे बाराबंकी जिले के आंगनबाड़ी केंद्र सिटी गुलेरिया गरदा में बतौर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें प्रशासन ने स्थानीय निकाय

चुनाव में बतौर बूथ लेवल अफसर (बीएलओ) की ड्यूटी में लगाया है। यह केंद्र और राज्य सरकार की आदेशों व निर्देशों में खिलाफ है। इस तैनाती से क्षेत्र में बच्चों व माताओं के स्वास्थ्य की देखभाल की व्यवस्था प्रभावित होगी। याचियों का तर्क था कि चुनाव के काम में अन्य ग्राम स्तर के कर्मियों को लगाया जा सकता है। उधर, डीएम व अन्य पक्षकारों की ओर से जवाब में कहा गया कि चुनाव का कार्य सर्वोच्च अहमियत वाला है। ऐसे में सभी अफसरों को इसमें सहयोग करना होता है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

काशी से 10 जनवरी से शुरू होगी रोमांचक रिवर क्रूज यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। काशी से दुनिया की सबसे लंबी रिवर क्रूज यात्रा 10 जनवरी 2023 से वाराणसी से शुरू होगी। वाराणसी से डिब्रूगढ़ तक का सफर करीब 52 दिनों में तय होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगा विलास क्रूज के टाइम टेबल का विमोचन वाराणसी के रविदास घाट से किया है। 52 दिनों की यह यात्रा भारत व बांग्लादेश के 27 रिवर सिस्टम से होकर गुजरेगी तथा 50 से अधिक अहम जगहों पर रुकेगी, जिनमें विश्व विरासत स्थल भी शामिल हैं।

यह जलायन राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभ्यारण्य से भी गुजरेगा, जिनमें सुंदरबन डेल्टा और काजीरंगा नेशनल पार्क भी शामिल हैं। लंबी यात्रा उबाऊ न हो, इसलिए क्रूज पर गीत संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिम आदि सुविधाएं होंगी। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के

मुख्य अभियंता रविकांत ने बताया कि गंगा विलास भारत में निर्मित पहला जलयान है। यह आधुनिक सुविधाओं से युक्त और पूरी तरह सुरक्षित है। क्रूज 80 पर्यटकों को लेकर 32 सौ किलोमीटर की यात्रा 52 दिनों में पूरा करेगा। मुख्य अभियंता रविकांत ने बताया कि यह यात्रा एक ही जलयान द्वारा की जाने वाली दुनिया की सबसे लंबी यात्रा होगी। गंगा विलास जलयान में 18 सुइट्स होंगे। गंगा विलास क्रूज वाराणसी से अपनी यात्रा शुरू करेगा और बक्सर, गाजीपुर से गुजरते हुए 8वें दिन पटना पहुंचेगा।

मैनपुरी का किला भेदने के लिए शाक्य जाति के सहारे भाजपा

अपर्णा यादव के नाम पर सस्पेंस बरकरार

» मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में अन्य तीन नामों पर हो रहा है मंथन

चेतन गुप्ता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी उपचुनाव के लिए नामांकन 10 नवंबर से शुरू हो गया है। वहीं इस सीट के लिए समाजवादी पार्टी ने डिंपल यादव को अपने उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी में भी अब उम्मीदवार के नाम को लेकर तेजी से मंथन चल रहा है। हालांकि अपर्णा यादव के नाम पर सस्पेंस बरकरार है। फिलहाल उनको छोड़ दिया जाए तो पार्टी में अन्य तीन नामों पर गम्भीरता से चर्चा चल रही है। यह तीनों उम्मीदवार शाक्य जाति से आते हैं।

समाजवादी पार्टी द्वारा उम्मीदवार तय किए जाने के बाद अब बीजेपी के उम्मीदवार को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं। इसको लेकर आज बीजेपी कोर कमेटी की बैठक बुलाई गई है। सूत्रों के अनुसार बीजेपी में तीन नामों पर चर्चा चल रही है। हालांकि इन तीनों ही नामों में अपर्णा यादव का नाम नहीं है। बताया जाता है कि तीनों ही नाम क्षेत्र से भेजे गए हैं।

इन तीन नामों पर हो रही है चर्चा

बीजेपी में जिन तीन नामों पर चर्चा चल रही है। उनमें सबसे ऊपर प्रेम सिंह शाक्य का नाम है, जो पिछली बार इस सीट पर चुनाव लड़े थे। प्रेम सिंह शाक्य के बाद दूसरे नंबर पर रघुराज सिंह शाक्य का नाम चल रहा है। जबकि तीसरे नंबर पर ममतेश शाक्य का नाम है। बीजेपी इस सीट पर शाक्य उम्मीदवार को उतारने के पूरे मूड में है। सूत्रों के अनुसार अपर्णा यादव को मैनपुरी सीट पर लड़ाने की बीजेपी की रणनीति नहीं है। हालांकि पार्टी कोर कमेटी की बैठक के बाद ही तय नाम को केंद्रीय चुनाव समिति के पास भेजा जाएगा। ये कोर कमेटी की बैठक आज सीएम योगी आदित्यनाथ के आवास पर होगी। बता दें कि अपर्णा यादव ने गुरुवार को देर शाम यूपी बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र पटेल से मुलाकात की थी। जिसके बाद उनके मैनपुरी से चुनाव लड़ने की चर्चा चल रही हैं।

प्रेम सिंह शाक्य

रघुराज सिंह शाक्य

ममतेश शाक्य

यूपी भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद कयासों का दौर शुरू

माना जा रहा है कि भाजपा यहां से समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव को जेठानी डिंपल यादव के सामने उतार सकती है। अपर्णा यादव गुरुवार को लखनऊ में थीं, जबकि शुक्रवार सुबह नई दिल्ली रवाना हो गईं। डिंपल यादव का टिकट फाइनल होते ही अपर्णा ने लखनऊ में भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी से भी मुलाकात की थी। जिसस अटकलें तेज हो गईं कि उन्हें मैनपुरी उपचुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में पेश किया जा सकता है। नेताजी के रूप में विख्यात मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव बीते विधानसभा चुनाव से पहले ही भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुई थीं। अपर्णा यादव इसी वर्ष 19 जनवरी को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुईं और विधानसभा चुनाव में इसके लिए प्रचार भी किया था। उन्होंने मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे प्रतीक यादव से शादी की है। अपर्णा यादव को शिवपाल सिंह यादव का भी समर्थन मिलने की संभावना है। शिवपाल सिंह यादव का इटावा के साथ ही मैनपुरी तथा फिरोजाबाद में भी खासा दखल है।

शाक्य या फिर कोई और

भाजपा ने 2019 में हारी सीटों पर जीत के लिए पहले से रणनीति बनानी शुरू कर दी थी। मैनपुरी में जीत के लिए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह को प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने बीते अगस्त में मैनपुरी जाकर कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर 'फीडबैक' लिया और सुझाव भी दिए। उन्होंने मैनपुरी के जातीय समीकरण और जीत की संभावित रणनीति को लेकर अपनी रिपोर्ट भी केंद्रीय नेतृत्व को सौंपी। इसी बीच मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद रिक्त हुई मैनपुरी सीट पर उपचुनाव घोषित हो जाने के बाद भाजपा ने अपनी तैयारी को और धार देनी शुरू कर दी है। गुरुवार को जब सपा से डिंपल का टिकट फाइनल हुआ इधर भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने भी कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया। उन्हें बताया गया कि भाजपा अब यादवों के बीच भी काम कर रही है। जिले के संगठन में भी यादवों को जगह दी गई है। दो यादव ब्लॉक प्रमुख भी भाजपा के साथ हैं। इसके अलावा यादव बहुल बूथों पर भाजपा सरकार की योजनाओं से होने वाले लाभ को बताने का काम चल रहा है। मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र यादव और शाक्य बहुल है। यहां पर ठाकुर मतदाता भी प्रभावी भूमिका में हैं। यहां से अपर्णा यादव के अलावा इटावा के पूर्व सांसद रघुराज सिंह शाक्य, पूर्व विधायक ममतेश शाक्य, पिछला लोकसभा चुनाव लड़ने वाले प्रेम सिंह शाक्य, पार्टी के लोकसभा संयोजक प्रदीप राज चौहान और जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह के नाम भी चर्चा में हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के चचेरे भाई धर्मेन्द्र यादव के बहनोई अनुजेश प्रताप यादव भी भाजपा के टिकट के दावेदारों में शामिल हैं।

जातीय आंकड़ों पर टिका है जीत का समीकरण

जातीय समीकरण के हिसाब से देखें तो मैनपुरी सीट पर सवा चार लाख यादव, पौने तीन लाख शाक्य-कुशवाहा, डेढ़ लाख क्षत्रिय हैं। मैनपुरी में विपक्ष की ओर से ज्यादातर गैर यादव ओबीसी चेहरे ही चुनाव मैदान में सामने आते रहे हैं। भले 1996 से यह सीट लगातार सपा के पास रही हो, लेकिन 1996 में मुलायम भाजपा से केवल 52 हजार वोटों से जीते। इसके बाद सपा यहां डेढ़ से दो लाख मतों के अंतर से जीतती रही। 2019 में मुलायम भाजपा प्रत्याशी प्रेम सिंह शाक्य से 92 हजार मतों से ही जीत पाए। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र की पांच में से दो विस सीटों पर कब्जा कर लिया। मैनपुरी सदर और भोगांव सीट सपा हार गई। भाजपा इसी से उत्साहित है। सूत्रों का कहना है कि जिला संगठन की ओर से यह सुझाव दिया गया है कि शाक्य प्रत्याशी को ही डिंपल के सामने उतारना फायदेमंद रहेगा। इनमें कभी शिवपाल यादव के करीबी रहे और अब भाजपा में शामिल पूर्व सांसद रघुराज शाक्य या फिर पिछले लोकसभा चुनाव के चेहरे प्रेम सिंह शाक्य पर दांव लगाया जा सकता है। चूंकि शिवपाल की जसवंतनगर सीट भी मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है तो रघुराज बेहतर विकल्प हो सकते हैं। एक सुझाव किसी बड़े क्षत्रिय चेहरे को लड़ाने का भी आया है, पर अभी इसे लेकर चर्चा सिर्फ स्थानीय स्तर पर ही है। इसमें कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह का नाम चर्चा में है।

मैनपुरी में अब तक चुने गए सांसद

1952	बादशाह गुप्ता	-		कांग्रेस
1957	वंशीदास धनगर	-		प्रसोपा
1962	बादशाह गुप्ता	-		कांग्रेस
1967	महाराज सिंह	-		कांग्रेस
1971	महाराज सिंह	-		कांग्रेस
1977	रघुनाथ सिंह वर्मा	-		लोकदल
1980	रघुनाथ सिंह वर्मा	-		जनता पार्टी
1984	बलराम सिंह यादव	-		कांग्रेस
1989	उदयप्रताप सिंह यादव	-		जनता दल
1991	उदयप्रताप सिंह यादव	-		सजपा
1996	मुलायम सिंह यादव	-		सपा
1998	बलराम सिंह यादव	-		सपा
1999	बलराम सिंह यादव	-		सपा
2004	मुलायम सिंह यादव	-		सपा
2004	धर्मेंद्र यादव	-	(उपचुनाव)	सपा
2009	मुलायम सिंह यादव	-		सपा
2014	मुलायम सिंह यादव	-		सपा
2014	तेजप्रताप यादव	-	(उपचुनाव)	सपा
2019	मुलायम सिंह यादव	-		सपा

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

37 साल बाद क्या बदलेगा 'रिवाज़'!

"दरअसल साल 1985 से हिमाचल में किसी भी पार्टी की सरकार रिपीट नहीं हुई है मतलब यहां की जनता भाजपा हो या कांग्रेस किसी को भी सत्ता में तुरंत वापसी नहीं करने देती। 1985 में 52 सीटों के साथ कांग्रेस सत्ता में आई थी। 1990 में भाजपा ने 46 सीट जीतकर सरकार बनाई थी। उसी तरह 1993 में कांग्रेस, 1998 में भाजपा, 2003 में कांग्रेस, 2007 में प्रेम कुमार धूमल ने भाजपा की वापसी कराई थी।

हिमाचल विधानसभा चुनाव में यहाँ की कुल 68 सीटों पर आज मतदान हो रहा है और 8 दिसम्बर को नई सरकार का गठन होगा। सरकार बनाने के लिए 35 सीटों की जरूरत होगी। 2017 में भाजपा ने 68 में से 44 सीटों पर जीत दर्ज की थी जबकि कांग्रेस ने 21 सीटें हासिल की थी। भाजपा ने जयराम ठाकुर को मुख्यमंत्री बनाया। इस बार के चुनाव में भाजपा नई इबारत लिखने का मन बना चुकी है। भाजपा के कदम से साफ है कि वह राज्य में 1985 से चल रहे 'रिवाज' को खत्म करने की कोशिश में है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी का मानना है कि भाजपा का गेम प्लॉन फेल हो जाएगा और 'रिवाज' बदस्तूर जारी रहेगा। सभी की निगाहें 'रिवाज' पर टिकी है। एकतरफ मोदी का तिलिस्म तो दूसरी तरफ प्रियंका वाड़ा का प्रयोग। इस बार राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त हैं तो कांग्रेस की कमान उनकी बहन प्रियंका के हाथों में है।

दरअसल साल 1985 से हिमाचल में किसी भी पार्टी की सरकार रिपीट नहीं हुई है मतलब यहां की जनता भाजपा हो या कांग्रेस किसी को भी सत्ता में तुरंत वापसी नहीं करने देती। 1985 में 52 सीटों के साथ कांग्रेस सत्ता में आई थी। 1990 में भाजपा ने 46 सीट जीतकर सरकार बनाई थी। उसी तरह 1993 में कांग्रेस, 1998 में भाजपा, 2003 में कांग्रेस, 2007 में प्रेम कुमार धूमल ने भाजपा की वापसी कराई थी। उसी तरह 2012 में कांग्रेस और फिर 2017 में भाजपा ने धूमल के चेहरे पर चुनाव जीता लेकिन सीएम जयराम ठाकुर बनाए गए।

इस बार विधानसभा चुनाव में 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के लिए भाजपा ने एक बार फिर मोदी मैजिक का सहारा लिया है लेकिन एक और बात है जो हिमाचल में भाजपा की सत्ता में वापसी करा सकती है। इस बार भाजपा ने दिग्गजों के टिकट काटकर बड़ा सियासी संदेश देने की कोशिश की है। भाजपा ने एक मंत्री समेत 11 मौजूदा विधायकों के टिकट काटकर नए चेहरों को मौका दिया है। हिमाचल प्रदेश में अगर भाजपा की सरकार बनती है तो स्त्री संकल्प पत्र में किए गए 11 वादों को पूरा करना होगा। वैसे तो यहां बीजेपी और कांग्रेस की ही सरकार रही है लेकिन इस बार आम आदमी पार्टी भी अपनी किस्मत आजमा रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जीएम फसलों पर दूरगामी नीति बने

केसी त्यागी

बीस वर्षों तक चले वाद-विवाद और विरोधों के बीच पहली जीएम फसल सरसों की व्यावसायिक खेती की मंजूरी दे दी गयी है। बायोटेक नियामक जेनेटिक इंजीनियरिंग अप्रेजल कमेटी के इस निर्णय का विरोध कई हरित समूहों एवं किसान संगठनों द्वारा हो रहा है। सबसे मुखर स्वर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आनुषंगिक संगठन भारतीय किसान संघ एवं स्वदेशी जागरण मंच का है। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने भी आंदोलन की धमकी दी है, पर सबसे चकित करने वाला बयान सीपीएम के किसान संगठन से आया कि वे इस तकनीक की सराहना करते हैं। स्वदेशी जागरण मंच का आरोप है कि जीईएसी गैर जिम्मेदाराना तरीके से काम कर रही है तथा जीएम सरसों के समर्थन में किये जा रहे दावे पूरी तरह गलत हैं। जीईएसी ने एक अनुमति पत्र में कहा है कि समर्थन में प्राप्त सभी जानकारी विदेश से लायी गयी थी।

हमारे देश में अध्ययन होना बाकी है। इन संगठनों का आरोप है कि यदि भारत में कोई अध्ययन नहीं किया गया, तो जीईएसी गैर जिम्मेदार और अवैधानिक निर्णय कैसे ले सकती है। इससे पूर्व जीएम बीटी कॉटन को लेकर भी भ्रामक प्रचार किये गये थे कि इसको कीड़ों से कोई नुकसान नहीं होगा और उत्पादन ज्यादा होगा, मगर पिछले 17 वर्षों से बीटी कपास के उत्पादन में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। फिर भी किसानों को सपने दिखाये जा रहे हैं। कृषि मामलों की संसदीय समिति ने अपनी 37वीं रिपोर्ट में बताया है कि बीटी कॉटन की व्यावसायिक खेती करने में कपास उत्पादकों की माली हालत बजाय सुधरने के बिगड़ गयी। इसमें कीटनाशकों का अधिक उपयोग करना पड़ा। महाराष्ट्र में पिछले दिनों कपास को कीड़े से बचाने की जुगत में किसानों द्वारा अनजाने में मौत को गले लगाने के मामले प्रकाश में आये हैं। इन मौतों की वजह वह कीटनाशक बताया गया है, जिसे उन्होंने फसलों पर कीड़े खत्म करने के लिए छिड़का था। जीएम फसलों की खेती केवल छह देशों- अमेरिका, ब्राजील, कनाडा, चीन, भारत और अर्जेंटीना- में हो रही है। दुनिया में कुछ 18 करोड़ हेक्टेयर में इसकी खेती हो रही है।

वर्ष 1951-52 के दौरान देश में मात्र 52 मिलियन टन अनाज का उत्पादन होता था, लेकिन आज बिना जीएम तकनीक के 300 मिलियन टन से अधिक का उत्पादन हुआ है। पहले हम गेहूं, चावल, शक्कर के लिए विदेशी आयात पर निर्भर करते रहे हैं, पर आज हम इनके बड़े निर्यातक हैं। पिछले दो वर्षों से 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त पांच किलो राशन उपलब्ध कराना हमारी कृषि सफलता का प्रमाण है। अधिकतर संगठनों एवं विशेषज्ञों का कहना है कि कमेटी का निर्णय दबाव और जल्दबाजी में लिया गया है और जिस वेरायटी को मंजूरी दी गयी है, वह कम पैदावार वाली है एवं इससे उत्पादित तेल की गुणवत्ता भी कम है। भारतीय सरसों का तीखापन उसका सबसे बड़ा गुण है, जो नयी किस्म से नदारद है। वर्तमान में जीएम सरसों की श्रेणी डीएमएच-11 से भी ज्यादा उपज की चार वेरायटी भारत में पहले से ही मौजूद हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ एपीकल्चर के अनुसार जीएम तरीके से सरसों की खेती की शुरुआत होने पर शहद की खेती के बर्बाद होने की संभावना है। इससे 10 लाख मधुमक्खी पालकों के जीवनयापन पर संकट आ जायेगा। स्मरण रहे, मधुमक्खियों के परागण में सरसों की खेती का अहम योगदान होता है। ज्यादातर जगहों पर चिकित्सकीय गुणों की वजह जीएम मुक्त सरसों के शहद की मांग है। ऐसे में शहद निर्यात पूरी तरह ठप हो जायेगा। कुछ बड़ी कंपनियों का मकसद है दूसरी किस्म का जीएम क्रॉप मॉडिफाई बनाना। जिस फसल पर भी इसका प्रयोग होगा, वहां उस फसल के अलावा सब खत्म हो जायेगा। घातक रसायनों से फसलों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। भूमि की उर्वरता भी खत्म होती है। सरकार एक तरफ तो ऑर्गेनिक फार्मिंग की बात करती है, दूसरी तरफ ऐसी नीतियां लाकर रसायनों के प्रभाव को बढ़ाती है। प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन जीएम फसलों के प्रयोग से पहले भूमि परीक्षण अनिवार्य बनाने की सिफारिश कर चुके हैं। अमेरिका के मात्र एक फीसदी भू-भाग में जीएम मक्के की खेती की गयी थी, जिसने 50 फीसदी गैर जीएम खेती को संक्रमित कर दिया। चीन में भी किसानों को नुकसान का सामना करना पड़ा था।

वर्ष 2014 के बाद वहां जीएम खेती नहीं हो रही है। अमेरिकी कंपनी मोनसेंटो देश में इस व्यावसायिक खेती की बड़ी पैरोकार है। साल 2011 में अमेरिका में भी इसी कंपनी ने सूखा प्रतिरोधी जीएम मक्का जारी किया था, पर थोड़े ही समय में अमेरिकी कृषि विभाग ने स्वीकार किया कि यह गैर जीएम किस्मों से ज्यादा प्रभावी नहीं है। भारत में मोनसेंटो ने 1970 से खर-पतवार नाशक रसायनों के उत्पादन के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करायी थी। लगभग दस वर्ष पूर्व बीटी कपास यही कंपनी लायी।

जलवायु परिवर्तन से हुई तबाही

असद मिर्जा

यह स्थापित तथ्य है कि जलवायु परिवर्तन अमीर देशों के कारण हुआ है और इसीलिए गरीब देशों ने जलवायु परिवर्तन के लिए मुआवजे की मांग करनी शुरू कर दी है, जिसने उन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। मिस्र में चल रही संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता गरीब देशों के लिए क्षतिपूर्ति प्रणाली को निर्धारित कर सकती है। विभिन्न संयुक्त राष्ट्र और स्वतंत्र रिपोर्टों द्वारा पुष्टि की गयी है कि पिछले 25 वर्षों में जलवायु परिवर्तन ने बहुत नुकसान पहुंचाया है, जिसमें सूखा, बढ़ती गर्मी, कम या अधिक बारिश, उष्णकटिबंधीय चक्रवात और अधिक क्रमिक परिवर्तन, जैसे मरुस्थलीकरण और बढ़ते समुद्र शामिल हैं।

यह भी साबित हो गया है कि इन परिवर्तनों के लिए वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की उपस्थिति को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। अधिकांश उत्सर्जन के लिए समृद्ध औद्योगिक देश जिम्मेदार हैं। गरीब देश, जो अतीत में दूसरों द्वारा किये गये इन परिवर्तनों को कम करने के लिए समय पर सुधारात्मक उपाय करने में असमर्थ हैं, पहले जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों का सामना करते हैं। इस प्रकार, 'नुकसान और क्षति' की नयी अवधारणा ने उनके बीच जड़ें जमाना शुरू कर दिया है। इस अवधारणा के तहत औद्योगिक राष्ट्रों के कारण हुए इन परिवर्तनों को कम करने के लिए उपाय करने के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता की मांग कर रहे हैं। अब वे इसे किसी विशेष प्राकृतिक आपदा के बाद सहायता के बजाय दायित्व और मुआवजे के मामले के रूप में परिभाषित कर रहे हैं। न्यूनीकरण (उत्सर्जन को कम कर समस्या के मूल कारण से निपटना) और अनुकूलन (वर्तमान और भविष्य के प्रभावों की तैयारी) के बाद नुकसान और क्षति को जलवायु परिवर्तन की राजनीति के 'तीसरे स्तंभ' के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि 1990 के दशक से, जब जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन का पाठ तैयार हो रहा था, विकसित देशों ने इसके खिलाफ जोर दिया है और इसे असंभव करार दिया है। द्वीपीय देशों के एक समूह ने प्रस्तावित किया था कि समुद्र के बढ़ते स्तर से होने वाले नुकसान के लिए निचले देशों को क्षतिपूर्ति करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय बीमा कोष बनाया जाए।

साल 2015 के सम्मेलन में, जिसका समापन पेरिस समझौते को अपनाने के साथ हुआ था, विकासशील देशों ने फिर से नुकसान और क्षति के वित्तपोषण पर एक मजबूत खंड की मांग की थी, लेकिन वार्ता इस मुद्दे के केवल एक अस्पष्ट संदर्भ के साथ समाप्त हो गयी और इसे भविष्य की चर्चा के लिए छोड़ दिया गया। ऐसे में मिस्र जलवायु सम्मेलन ठोस नीति और कार्य योजना तैयार करने का अवसर है। डेनमार्क ने हाल में विकासशील देशों को 13 मिलियन डॉलर से अधिक देने का वादा किया है। पिछले नवंबर में ग्लासगो में हुए सम्मेलन में स्कॉटलैंड की प्रथम मंत्री निकोला स्टर्जन ने एकमुश्त नुकसान और क्षति भुगतान के रूप में 2.7 मिलियन डॉलर देने का वादा किया था। उम्मीद थी कि अन्य अमीर देश भी ऐसा करेंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, पर उन पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

पिछले महीने 46 सदस्यों वाले कम विकसित देशों के गठबंधन के मंत्रियों ने इस सम्मेलन में 'मौलिक प्राथमिकता' के रूप में नुकसान और क्षति के लिए एक वित्तीय तंत्र के निर्माण की मांग की थी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पिछले महीने सुझाव दिया कि जीवाश्म ईंधन कंपनियों पर अप्रत्याशित कर लगा कर धन उपलब्ध कराया जा सकता है। इस तरह के भुगतान के लिए विकसित देशों में उत्साह की कमी है। कुछ विकासशील देश अंतरराष्ट्रीय कानून के माध्यम से अस्थायी रूप से निवारण की मांग कर रहे हैं। सितंबर में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार समिति ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार को टोरेस जलडमरूमध्य के द्वीपों पर रहने वाले मूल निवासियों को मुआवजा देने का आदेश दिया था, जो बढ़ते समुद्री जलस्तर से नष्ट हो रहे हैं। शायद यह पहली बार है कि ऐसे भुगतान का आदेश दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वीप वासियों की दुर्दशा के प्रति सहानुभूति रखती थी, लेकिन क्या यह नगदी में तब्दील होगा, यह देखा जाना बाकी है। दायित्व की महंगी संस्कृति की क्या बात करना! इसलिए, हानि और क्षति के लिए एक वैश्विक ढांचा बन पाने की संभावना बहुत दूर दिखती है। विकसित दुनिया भी जलवायु परिवर्तन की अनिश्चितताओं से सुरक्षित नहीं है। तूफान इयान जैसी प्राकृतिक आपदाएं अमेरिका में बढ़ रही हैं।

इस तूफान ने फ्लोरिडा और दक्षिण कैरोलिना में अरबों डॉलर का नुकसान किया है। साल 1980 और 2021 के बीच की अवधि को देखें, तो इस तरह की घटनाओं का जो औसत 7.7 था, पिछले पांच वर्षों में प्रतिवर्ष इस तरह की घटनाओं में 17.8 की वृद्धि देखी गयी है। पिछले साल ने लगातार सातवें वर्ष को चिह्नित किया, जिसमें दस या अधिक अरब डॉलर का नुकसान अमेरिका में हुआ। मई, 2022 में वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा उस स्तर पर पहुंच गयी, जो लाखों वर्षों में नहीं देखी गयी और यह पूर्व-औद्योगिक युग की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है। कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों ने दुनिया के औसत तापमान को बढ़ा दिया है। यूएस नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, जलवायु परिवर्तन मौसम की चरम सीमाओं को 'बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता की सुपरचार्जिंग' कर रहा है।

छोटे बच्चों में ऐसे पहचानें डेंगू के लक्षण

बरसात के मौसम के बाद मच्छरों का कहर खतरनाक रूप लेने लगता है। इनसे डेंगू, मलेरिया, जीका वायरस, चिकनगुनिया, पीला बुखार जैसी जानलेवा बीमारियां फैलती हैं। छोटे बच्चे और उम्रदराज लोग इनकी चपेट में जल्दी आ जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। इनमें सबसे आम बीमारी है डेंगू जो हर साल हजारों लोगों की मौत की वजह बनती है। डेंगू इसलिए भी खतरनाक हो जाता है, क्योंकि इसके लक्षण आम फ्लू और कोविड से भी मिलते हैं, जिसकी वजह से इसके निदान में देर हो जाती है। साथ ही बच्चों के मामले में इसके लक्षण लगभग न के बराबर दिखते हैं। डेंगू के मच्छर के काटने के चार-पांच दिन के बाद संक्रमण के लक्षण नज़र आन लगते हैं। छोटे बच्चों में डेंगू बुखार गंभीर रूप ले सकता है।

फ्लू जैसे लक्षण

अगर बच्चे को जुकाम और खांसी के साथ तेज बुखार है, तो यह आम फ्लू के साथ डेंगू के भी लक्षण हो सकते हैं। अगर बच्चे का बुखार 24 घंटे में कम न हो, तो चाइल्ड स्पेशलिस्ट को इस बार में जरूर बताएं।

व्यवहार में परिवर्तन

छोटे बच्चों में लक्षणों को समझना मुश्किल हो जाता है। बीमार पड़ने पर वे अक्सर चिड़चिड़े और रोते ज्यादा हैं। अगर बच्चे के व्यवहार में अचानक बदलाव आता है, और उसे भूख भी नहीं लग रही है, तो डॉक्टर से संपर्क जरूर करें।

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं

जी मिचलाना, उल्टी आदि जैसे लक्षण, जिन्हें गलती से गैस्ट्रोएंटेरिटिस भी समझा जा सकता है। वे पेट में भी तेज दर्द का अनुभव कर सकते हैं।

बदन दर्द

डेंगू से पीड़ित होने पर बच्चे गंभीर जोड़ों के दर्द, पीठ में दर्द और सिरदर्द आदि का अनुभव करते हैं। बच्चा अगर सुस्त और चिड़चिड़ा है, तो उससे बात करें और समझें कि वह किस चीज़ से जूझ रहा है ताकि आप डॉक्टर को अच्छी तरह से समझा सकें।

त्वचा से जुड़ी समस्याएं

बच्चों में डेंगू के सबसे आम लक्षणों में त्वचा पर चकते या लाल दाने निकलना है। यह खसरे की तरह पैच में दिखाई देते हैं। लगातार खुजली होना भी डेंगू का एक और लक्षण है।

ब्लीडिंग

प्लेटलेट काउंट के कम होने की वजह से, बच्चों के मसूड़ों और नाक से रक्तस्राव हो सकता है। ऐसे मामलों में फौरन मेडिकल हेल्प लेने की आवश्यकता होती है, क्योंकि कुछ मामलों में यह रक्तस्रावी बुखार या शॉक सिंड्रोम जैसी जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है।

बच्चों में डेंगू होने पर इलाज के साथ-साथ और क्या करें?

- अपने बच्चे को स्वस्थ और ताकत से भरपूर पौष्टिक आहार प्रदान करें।
- बच्चों की डायट में नियमित रूप से अंडे, चिकन, मछली, डेयरी उत्पादों को शामिल करें क्योंकि ऐसे खाद्य पदार्थ प्रोटीन से भरपूर होते हैं, जो जल्दी रिकवरी करने में मददगार हो सकते हैं।
- अपने बच्चे को ज्यादा से ज्यादा गर्म तरल पदार्थ पीने की सलाह दें।
- बच्चे को खेलने या काम करने से रोकें, क्योंकि इस बीमारी में आराम की सख्त आवश्यकता है।
- बुखार को कम करने के लिए डॉक्टर पैरासिटामोल बच्चे को खिला सकते हैं या इस समय डॉक्टर बच्चे को जो दवा लेने की सलाह देते हैं उसे समय-समय पर देते रहें।
- बच्चे को डेंगू से बचाने के लिए पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनाएं।
- बच्चे को मच्छर के काटने से बचाएं। ऐसे में बच्चों को क्रीम लगाएं ताकि उन्हें मच्छर के काटने से बचाया जा सके।
- सोने के समय मच्छरदानी का प्रयोग करें।
- बच्चों को डेंगू से बचाने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल का सेवन रोजाना करवाएं।
- अगर बच्चे के प्लेटलेट्स बहुत कम हो गया है, तो पपीते के पत्ते का जूस दिया जा सकता है। हालांकि इसके सेवन से पहले डॉक्टर से अवश्य पूछ लें क्योंकि कुछ लोगों को पपीते के पत्ते का जूस डायजेस्ट नहीं भी हो सकता है।

कहानी — दक्षिणा के धन

एक बार एक ग्रंथी, मौलवी और पंडित फुरसत के लम्हों में गुफ्तगू कर रहे थे। चर्चा का विषय था कि ये लोग पूजा के दौरान मिली दक्षिणा किस तरह उपयोग करते हैं। विषय बड़ा नाजुक था। सवाल व्यक्तिगत आवश्यकताओं और पूजास्थल की देखभाल के बीच दक्षिणा के धन के सामंजस्य का था। पुजारी बोले भाई मैं तो दैनिक आरती के बाद पूजा का थाल बीच हाल में रख देता हूँ। भक्तजन अपने स्थान से दान दक्षिणा के सिक्के उछाल देते हैं। जितने थाली में गिरते हैं उतने मेरे दैनिक खर्च के लिये उपयोग हो जाते हैं, शेष प्रभु के भोग, श्रृंगार और मंदिर के रखरखाव में। मौलवी जी का भी कमोबेश यही तरीका निकला। वे बोले मैं भी नमाज के बाद अपनी चादर फैला देता हूँ। नमाजी खैरात उछालते हैं, अल्लाह के फजल से जितनी चादर मे गिरी वह इस बंदे की, बाकी अल्लाह के घर की साजो सामान में खर्च हो जाती है। ग्रैथी जी कसमसाये और तल्ख स्वर में बोले तुम लोग ऊपरवाले की नेमत की इस तरह तौहीन करते हो, तभी तो लगता है कि महीनों से कुछ खाया ही नही। मौलवी जी और पंडित दोनों चौके और पूछ बैठे ग्रंथी जी, भला हम क्या गलत करते हैं। आप ही बताइये आप चढ़ावे का क्या करते हैं? लेकिन दोनों की लाख मनौव्वल के बाद भी ग्रंथी जी ने अपनी सफेद चिकनी दाढ़ी पर हाथ फेर कर सिर्फ यही फर्माया कि रुपया पैसा ऊपरवाला बख्शता है। उसे इस तरह उछलवा कर आप लोग ऊपर वाले की ही बेइज्जती करते हो। आप कल खुद ही गुरद्वारे आकर देख लेना कि चढ़ावे के सही इस्तेमाल का तरीका क्या है? अगले दिन तड़के मोलवी जी और पंडित दोनों गुरुद्वारे पहुंचे। पूजापाठ के बाद वे देखते क्या हैं कि ग्रैथी जी ने भक्तों को एक चादर पर तमीज से पैसे चढ़ाने को कहा। फिर पोटली बाँध कर आसमान में उछाल दी और चिल्लाये वाहे गुरू, यह तेरी नेमत है, जितनी चाहे रख ले बाकी अपने इस बंदे को बख्श दे। उधर पोटली वापस ग्रंथी जी के हाथो में वापस गिरी इधर मौलवी जी और पंडित दोनों गश खाकर जमीन पर।

हंसना मना है

मास्टर पप्पू से: एक तरफ पैसा, दूसरी तरफ अक्ल, तो तुम क्या चुनोगे? पप्पू: पैसा। मास्टर: गलत, मैं होता तो मैं अक्ल चुनता। पप्पू : आप सही कह रहे हो सर, जिसके पास जिस चीज की कमी होती है वो वही तो चुनेगा।

मास्टर बोले: पप्पू कोई प्यार वाली शायरी सुनाओ। पप्पू: मोटा मरता मोटी पे, भूखा मरता रोटी पे, मास्टरजी की है दो बेटी और मैं मरता हूँ छोटी पे!

मास्टर जी अभी तक बेहोश हैं।

पप्पू जंगल में जा रहा था तभी एक सांप ने उसे पैर पर काट लिया। पप्पू को गुस्सा आया और टांग आगे करके बोला: ले काट ले जितना काटना है काट ले। सांप ने फिर तीन-चार बार काटा और थक कर बोला: अबे तू इंसान है भूत? पप्पू बोला: मैं तो इंसान ही हूं लेकिन साले मेरा ये पैर जिसमें तूने काटा ये नकली है।

5 अंतर खोजें

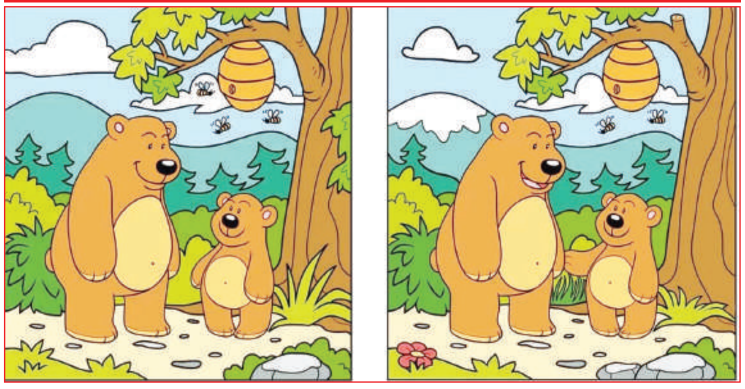

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। मनोरंजन और ऐशोआराम के साधनों पर जरूरत से जयादा खर्च न करें। कोई ऐसा इंसान जिसके मन में आपके लिए गलत भावना थी आज मामला निबटाने और आपसे सुलह करने के लिए पहल करेगा।

वृषभ — आज आपका दिन भाग-दौड़ से भरा रहेगा। किसी जरूरी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। आज आप घरेलू कामों में व्यस्त रहेंगे। आपको कोई शुभ समाचार मिलेगा।

मिथुन — सूर्यदेव की कृपा से आज आपके जीवन की सभी विनाशकारी शक्तियां दूर भाग जाएंगी और आपके जीवन में खुशियां ही खुशियां होंगी। झूठ बोलने वालों से सावधान रहें।

कर्क — आर्थिक परेशानियों के चलते आपको आलोचना और वादविवाद का सामना करना पड़ सकता है- ऐसे लोगों से न कहने के लिए तैयार रहें, जो आपसे जरूरत से ज्यादा उम्मीदें लगाए हों।

सिंह — आज आपका दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में योग्यता साबित करने के लिए आपको थोड़ा संघर्ष करना पड़ सकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कन्या — आज परिवार में लोगों के बीच प्रेम बढ़ेगा और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। बाहर के खान-पान से बचें। विद्यार्थियों की पढ़ाई में विघ्न आ सकता है।

तुला — सेहत बढ़िया रहेगी। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है।

वृश्चिक — आज आपका ज्यादातर समय माता-पिता के साथ बीतेगा। भौतिक सुख-संसाधनों में बढ़ोतरी होगी। बच्चों का भरपूर सहयोग मिलेगा। खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे।

धनु — आज हर ओर से आपको खुशियों की प्राप्ति होगी। अपनी वस्तुओं को संभालकर नहीं रखने से नुकसान की उम्मीद है। व्यापारिक नवीन योजनाओं से लाभ होगा। परिवार में मेल-जोल बढ़ेगा।

मकर — आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा क्योंकि आप जिन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। सिर्फ अक्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा।

कुम्भ — आज आपका दिन घूमने-फिरने में बीतेगा। परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे। लवमेट के साथ संबंध मधुर होंगे। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक से कोई बड़ा फायदा होगा।

मीन — आज आपको अपने जीवन में खुशियों का नजारा देखने को मिलने वाला है। बिजनेस में फायदे की योग बने रहेंगे। और भूमि खरीदने के योग बन रहे है।

झलक दिखला जा-10
अजय देवगन और तब्बू का दिखा शाही अंदाज

अजय देवगन और तब्बू डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 10 में अपनी फिल्म दृश्यम 2 के प्रचार के लिए सेलिब्रिटी गेस्ट के तौर पर नजर आएंगे। वे अपनी फिल्म के बारे में बात करेंगे और मेजबान मनीष पॉल के साथ कुछ दिलचस्प खेल भी खेलेंगे और उनके प्रफुल्लित करने वाले सवालों के जवाब देंगे। इसके अलावा, प्रतियोगियों द्वारा प्रतिष्ठित गीतों और नृत्य प्रदर्शन के माध्यम से 90 के दशक के युग को फिर से बनाया जाएगा। झलक दिखला जा 10 के प्रतियोगी जजों और मेहमानों को प्रभावित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

सृति के प्रदर्शन को देखते हुए, टेरेंस लुईस, जो शो में अतिथि न्यायाधीश के रूप में दिखाई देंगे, कहते हैं, यह शैली तीन से चार दिनों में सीखना कठिन है, और प्रोप को संभालना कमाल का था।

वे कहते हैं, इसके अलावा, इमली फेम गशमीर महाजनी ने बॉलीवुड स्टार माधुरी दीक्षित के साथ मंच साझा करने की इच्छा व्यक्त की। अगर यह मंच पर मेरा आखिरी मौका है, तो मैं माधुरी दीक्षित के साथ मंच पर प्रदर्शन और साझा करने के अपने सपने को पूरा करना चाहता हूं। इसके अलावा, नोरा फतेही और टेरेंस लुईस ने 1994 की फिल्म ये दिल्लगी के रोमांटिक ट्रैक जनम, आई लव पर एक साथ प्रदर्शन किया, जो मूल रूप से बॉलीवुड अभिनेताओं काजोल और सैफ अली खान पर फिल्माया गया था। झलक दिखला जा 10 कलर्स पर प्रसारित होता है।

बिग बॉस 16: अर्चना गौतम की होगी घर में वापसी

बिग बॉस 16 से निकाले जाने के बाद, प्रतियोगी अर्चना गौतम शो में फिर से प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शो के निर्माता अर्चना गौतम को वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं, हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि सलमान खान उन्हें फिर से पेश करेंगे या सप्ताहांत में वह फिर से प्रवेश करेंगी।

सह-हाउसमेट शिव ठाकरे के साथ लड़ाई की वजह से अर्चना को बिग बॉस 16 का शो छोड़ना पड़ा था। क्योंकि दोनों के बीच की लड़ाई में अर्चना फिजिकल हो गई थी। घटना के बाद, प्रतियोगी शालिन भनोट, निमृत कौर अहलूवालिया को विरोध करते हुए और शो से अर्चना को बेदखल करने की मांग करते देखा गया था।

बॉलीवुड गपशप

अर्चना गौतम को घर से बेघर कर दिया गया है। बता दें कि अर्चना घर में पहले दिन से काफी अच्छा गेम खेल रही हैं। ऐसे में घर से बेघर होने के बाद फैंस उनको वापस लाने की मांग कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अर्चना गौतम की घर में एक बार फिर से वापसी हो सकती है।

अर्चना गौतम उत्तर प्रदेश में कांग्रेस से एमएलए का चुनाव लड़ चुकी हैं। अर्चना को हस्तिनापुर से टिकट मिला था लेकिन वह चुनाव हार गई थी। बता दें कि अर्चना राजनीति में ही अपना भविष्य बनाना चाहती हैं। बिग बॉस में भी वह पहचान बनाने आई थी ताकि वह राजनीति में आगे बढ़ सकें। बता दें कि अर्चना मॉडल भी रह चुकी हैं।

बॉलीवुड मन की बात

अब मलाइका खोलेंगी ओटीटी पर इश्क और तकरार के राज

मलाइका अरोड़ा ने अपने स्टाइलिश लुक और फिटनेस से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। दुनियाभर के लोग उनकी सिजलिंग अदाएं देखने के लिए हमेशा बेताब रहते हैं। हालांकि इन दिनों मलाइका अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। दरअसल, मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर की शादी की खबरें जोरों पर हैं। आज एक्ट्रेस के एक पोस्ट शेयर करने के बाद से ही दोनों के जल्द शादी के बंधन में बंधने की खबरें आने लगी थीं, लेकिन अब मलाइका ने चुप्पी तोड़ते हुए बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, मलाइका अरोड़ा डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ अपना रियलिटी शो लेकर आ रही हैं, जिसका नाम मूविंग विद मलाइका है। उन्होंने खुद इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर फैंस को जानकारी दी है। मलाइका ने लिखा, मैंने डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ अपने नए रियलिटी शो के लिए हां कहा है, जहां आप मुझे करीब से और व्यक्तिगत रूप से जान पाएंगे, जैसा पहले कभी नहीं हुआ है। हम्म, रुको, आप लोगों को क्या लगा कि मैं किस बारे में बात कर रही हूं? 5 दिसंबर से शो स्ट्रीम करेगा। बता दें कि इस नए शो के साथ मलाइका अनफिल्टर्ड बातचीत के जरिए से फैंस को अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य तक पहुंच प्रदान करेंगी। अपने उत्साह को साझा करते हुए मलाइका ने कहा, सबसे लंबे समय तक, दुनिया ने मुझे सोशल मीडिया के चश्मे से देखा है, लेकिन इस बार मैं कुछ नया कर के उत्साहित हूं। इस शो के साथ मैं अपने बीच की उस बाधा को तोड़ना चाहती हूं और मेरे प्रशंसकों को और मलाइका के साथ मूविंग इन के माध्यम से उन्हें अपनी दुनिया में आमंत्रित करती हूं। अभिनेत्री ने शो को एक मजेदार शो होने का वादा किया है, क्योंकि वह अपने कुछ करीबी परिवार और दोस्तों के साथ अपने दैनिक जीवन का पता लगाने के लिए दर्शकों को अपने साथ ले जाएंगी।

दो पत्नियों की रजामंदी से हुआ पति का अनोखा बंटवारा जानकर रह जाएंगे हैरान आप

आपने कई तरह के बंटवारे देखे और सुने होंगे। जब पारिवारिक विवाद होते हैं तो जमीन, जायदाद, मकान, गहनों आदि के बंटवारे किए जाते हैं। ऐसे बंटवारे आपने भी देखे होंगे। लेकिन क्या आपने कभी पति के बंटवारे के बारे में सुना है। ऐसा ही एक मामला कुछ समय पहले बिहार के पूर्णिया में सामने आया था। यहां दो पत्नियों के बीच पति का अनोखा बंटवारा हुआ। इस अनोखे बंटवारे के बारे में जानकर सभी हैरान हैं। सोशल मीडिया पर भी दो पत्नियों के बीच पति का बंटवारा चर्चा का विषय बन गया था। दरअसल, पूर्णिया जिले के भवानीपुर थाना के गोडियारी निवासी एक महिला अपने पति के खिलाफ शिकायत लेकर पुलिस परिवार परामर्श केन्द्र पहुंची थी। यह घटना इसी वर्ष की है। महिला का आरोप था कि उसका पति पहले से शादीशुदा था और उसके 6 बच्चों भी हैं। इसके बावजूद उसने बरगला कर महिला से दूसरी शादी की। महिला का कहना था कि अब पति उसको साथ नहीं रखना चाहता। वहीं पहली पत्नी भी पति को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थी। रिपोर्ट के अनुसार, पूर्णिया पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में पति का ऐसा अनोखा बंटवारा सामने आया। यहां परिवार परामर्श केंद्र ने पति को 15 दिन पहली पत्?नी और 15 दिन दूसरी पत्नी के साथ रहने का निर्देश दिया। बता दें के पूर्णिया में पारिवारिक विवादों का समाधान करने के लिए पुलिस परिवार परामर्श केंद्र बना हुआ है। पुलिस परिवार परामर्श केन्द्र ने दोनों पत्नियों की बात सुनने के बाद फैसला किया कि पति को अपनी दोनों पत्नियों को रखना होगा। उसे दोनों पत्नियों का भरण-पोषण करना होगा। साथ ही निर्देश दिए गए कि दोनों पत्नियों को अलग-अलग मकान में रखना होगा।साथ यह ट?यवस्?था की गई कि महीने के पहले 15 दिन पति अपनी पहली बीवी के साथ रहेगा और अगले 15 दिन दूसरी बीवी के साथ रहेगा। परिवार परामर्श केंद्र के इस फैसले पर पति और दोनों पत्नियां सहमत हो गईं। इसके बाद पति और दोनों पत्नियों से एक-एक बॉन्ड भरवाया गया, जिससे कि इस व्यवस्था से कोई मुकर न सके।

अजब-गजब

इस चर्च में जहां देखो वहां दिखाई देती है सिर्फ खोपड़ियां

नर कंकालों से बनाया गया है ये खूबसूरत चर्च

दुनियाभर में इंसानों ने ना जाने कितनी अद्भुत इमारतों का निर्माण किया। धार्मिक लोग भी इस मामले में पीछे नहीं रहे हैं। कहीं अद्भुत मंदिरों का निर्माण किया गया है तो कहीं शानदार मस्जिदों का। ऐसा ही कुछ चेक रिपब्लिक में भी देखने को मिलता है। यहां एक चर्च का निर्माण इंसानों के कंकालों से किया गया है। इस चर्च को बनाने में 100-200 नहीं बल्कि पूरे 40,000 इंसानों के कंकालों का इस्तेमाल किया गया है।

चेक रिपब्लिक में बने इस रोमन कैथोलिक चर्च का नाम 'सेडलेक ओसुएरी' है जो दुनिया का सबसे डरावना चर्च है। इसकी सजावट इंसानी हड्डियों और खोपड़ियों से की गई है। इसे सजाने के लिए 40,000 कंकालों का इस्तेमाल किया गया है।

बताया जाता है कि इस चर्च में इस्तेमाल किए गए इंसानों के कंकाल प्लेग से पीड़ितों के हैं। इनमें 15वीं शताब्दी के दौरान युद्धों में मारे गए लोगों के कंकाल भी शामिल हैं। इस चर्च को सजाने के लिए खोपड़ी से लेकर इंसानी उंगली तक का इस्तेमाल किया गया है। यही नहीं इस चर्च में लगे झूमर भी हड्डियों से बनाए गए हैं। जहां कुछ लोगों को इस चर्च में आकर डर लगता है तो वहीं कुछ लोगों को यहां आकर शांति मिलती है।

इस चर्च को अनोखे रूप में सजाने के पीछे एक अनोखी कहानी है। जिसके मुताबिक 278 में

जेरुसलेम की पवित्र धरती से यहां मिट्टी लाई गई थी। लोगों की इच्छा थी कि मरने के बाद उन्हें पवित्र जगह ही दफनाया जाए। इसी कारण उन्हें इस चर्च में दफनाया गया और अब उनकी हड्डियों को इस जगह को सजाने में इस्तेमाल किया जाता है। ये चर्च प्रसिद्ध हॉलीवुड फिल्म पायरेट्स ऑफ द कैरेबियन के सेट जैसा दिखता है। बताया जाता है कि 17वीं शताब्दी से लेकर 19वीं शताब्दी के बीच हुई लोगों की मौत के बाद उनके शवों को यहां दफनाया गया था। उसके बाद इन शवों की हड्डियों का इस्तेमाल इस चर्च के निर्माण में लगाया गया। 1870 में इन हड्डियों का नक्काशी का काम यहां के एक बढ़ई ने किया। उसी इंसानी कंकालों का इस्तेमाल इस चर्च में किया गया।

राजस्थान में ओबीसी आरक्षण पर कांग्रेस नेताओं ने ही खोला मोर्चा

» आंदोलन की चेतावनी, नई मुश्किल में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत नई मुश्किल में घिरते नजर आ रहे हैं। पूर्व कैबिनेट मंत्री और पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी ने मुख्यमंत्री के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए तत्काल ओबीसी और पूर्व सैनिकों के आरक्षण की विसंगतियों को ठीक करने का मुद्दा उठाया है। अशोक गहलोत के वफादार रहे हरीश चौधरी ने कहा है कि पूर्व सैनिकों को मिल रहा आरक्षण ओबीसी आरक्षण को कमजोर कर रहा है। इसलिए इसे तत्काल ओबीसी कोटे से अलग किया जाना चाहिए। हरीश चौधरी ने कहा कि वह इस बात से स्तब्ध हैं कि राज्य मंत्रिमंडल की हालिया बैठक में इस मामले पर उचित निर्णय नहीं लिया गया और चर्चा को टाल दिया गया।

ओबीसी समुदायों के कई सदस्यों ने अशोक गहलोत सरकार से पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान 2018 में जारी राज्य के कार्मिक विभाग की अधिसूचना को वापस लेने के लिए कहा है। अधिसूचना में निर्देश दिया गया है कि मंत्रालयों और अधीनस्थ सेवाओं में 12.5 प्रतिशत पद भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित किए जाएं। ओबीसी समुदायों ने मांग की है कि मौजूदा व्यवस्था के बजाय पूर्व सैनिकों के लिए महिलाओं के लिए उपलब्ध आरक्षण की तर्ज पर कोटा तय किया जाए। ओबीसी नेताओं की मांग का जवाब देते हुए सर्व ब्राह्मण महासभा भी इसमें कूद पड़ा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कांग्रेस नेता पंडित सुरेश मिश्रा, जो पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के करीबी सहयोगी हैं, ने एक बयान जारी कर कहा कि 2018 की अधिसूचना सही है और उनका संगठन उसमें किसी भी तरह के बदलाव की अनुमति नहीं देगा।

आरक्षण के इस मामले पर राजनीतिक दांवपेच का नया दौर गुरुवार को तब शुरू हुआ जब हरीश चौधरी, जो बाड़मेर जिले के बायतू से मौजूदा विधायक और ओबीसी आरक्षण संघर्ष समिति के नेता हैं, ने ट्विटर पर राज्य मंत्रिमंडल द्वारा निर्णय नहीं लिए जाने पर अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने लिखा, कल कैबिनेट की बैठक में ओबीसी आरक्षण को विसंगति का मुद्दा रखने के बावजूद एक विचारधारा विशेष द्वारा इसका विरोध चौंकाने वाला है। सीएम अशोक गहलोत जी, मैं स्तब्ध हूं, आप क्या चाहते हैं? मैं ओबीसी वर्ग को विश्वास दिलाता हूं कि इस मामले में जो भी लड़ाई लड़नी होगी मैं लड़ूंगा।

त्वरित निर्णय नहीं लेती है सरकार

राजस्थान की आधी से ज्यादा आबादी ओबीसी समुदाय की है। सचिन पायलट के वफादार विधायक मुकेश भाकर ने भी ट्वीट कर कहा है अगर सरकार ओबीसी के हित में त्वरित निर्णय नहीं लेती है, तो राज्य में जो माहौल बनेगा, उसके लिए मुख्यमंत्री खुद जिम्मेदार होंगे। मेरे लिए युवाओं को अधिकार मिलना सरकार में कोई पद पाने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। अशोक गहलोत के लिए, जो इस मुद्दे को हल करने का वादा कर रहे हैं, यह नाराजगी ऐसे समय में उभर कर सामने आई है, जब उनके प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट ने फिर से यह मांग उठाई है कि अनिर्णय के माहौल को समाप्त किया जाए।

जाट और यादव समुदाय का साथ

हरीश चौधरी, राज्य के पूर्व राजस्व मंत्री हैं और जाट समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने यादव और कुमावत जैसे अन्य ओबीसी समुदायों के साथ मिलकर 2018 की अधिसूचना को वापस लेने का आह्वान किया है। बाद में उन्होंने ओबीसी आरक्षण संघर्ष समिति की बैठक बुलाने से पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से मुलाकात की। डोटासरा भी जाट हैं। चौधरी ने कहा कि अप्रैल 2018 की अधिसूचना के मुताबिक, पूर्व सैनिकों को दिया जा रहा आरक्षण क्षैतिज होना चाहिए और इसे सभी वर्गों में समायोजित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होने से ओबीसी समुदाय के युवाओं की हकमारी हो रही है।

अयोध्या में मस्जिद निर्माण के लिए हिंदू समाज दे रहा गुप्तदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। धार्मिक नगरी अयोध्या में एक बार फिर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल देखने को मिली। नौ नवंबर, 2019 को अयोध्या में मंदिर-मस्जिद का लंबे समय से चला आ रहा विवाद खत्म हुआ। सुप्रीमकोर्ट ने राम जन्मभूमि परिसर को लेकर चल रहे विवाद का निपटारा करते हुए रामलला के पक्ष में फैसला सुनाया। साथ ही जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर दूर धन्नीपुर में मुस्लिमों के लिए पांच एकड़ जमीन देने का फैसला किया, जहां मुस्लिम समाज के लोग मस्जिद का निर्माण कर सकें।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जहां भव्य राम मंदिर का निर्माण चल रहा है तो वहीं दूसरी तरफ धन्नीपुर मस्जिद के लिए बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग गुप्त दान कर रहे हैं। मस्जिद ट्रस्ट का दावा है कि सबसे पहले मस्जिद निर्माण में 11 हिंदू भाइयों ने चंदा दिया है, जिनका नाम गुप्त रखा गया है। इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन के ट्रस्टी अरशद अफजल ने दावा करते हुए बताया कि मस्जिद निर्माण के लिए बड़ी संख्या में हिंदू भाई सपोर्ट कर रहे हैं। गुप्त दान दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे इस प्रोजेक्ट में भी हिंदू समाज के लोग बढ़-चढ़कर साथ दे रहे हैं। आने वाले समय में हमारा यह प्रोजेक्ट हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल पेश करेगा। अफजल ने बताया कि अयोध्या मस्जिद ट्रस्ट को जो समर्थन मिल रहा है वो सभी संप्रदाय के लोगों से मिल रहा है। सबसे खुशी की बात है कि हिंदू समाज के लोग हमारे ट्रस्ट को सपोर्ट कर रहे हैं।

आगरा में पेड़ से टकराई बेकाबू कार, तीन युवकों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगरा के थाना फतेहाबाद क्षेत्र में देर रात पलिया गांव के पास दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। जबकि दो युवक घायल हो गए। इनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को आगरा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आगरा-फतेहाबाद मार्ग पर देर रात करीब पौने 11 बजे लखनऊ से तरफ से आ रही एक कार बेकाबू होकर पलिया गांव के समीप पेट्रोल पंप के सामने पेड़ से टकरा गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि पेड़ से टकराने पर उसके परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही थाना फतेहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। कार में तीन युवक मृत पाए गए। दो युवक घायल अवस्था में मिले हैं। इनमें से एक गंभीर रूप से घायल है। गंभीर घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दी। हादसे में मरने वाले तीन युवक फिरोजाबाद के जाटवपुरी के रहने वाले थे।

सभी सीटों पर निकाय चुनाव लड़ेगी प्रसपा : आदित्य

» प्रसपा प्रदेश अध्यक्ष ने की घोषणा, मैनपुरी उपचुनाव को लेकर भी निर्णय जल्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) इस बार प्रदेश की सभी सीटों पर निकाय चुनाव लड़ेगी। इसके लिए प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रसपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य यादव ने यह जानकारी दी। पार्टी के लखनऊ महानगर अध्यक्ष सऊद खान के बुलाकी अड्डा स्थित कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर सभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव की मंशा के अनुसार इस बार पूरे प्रदेश में स्थानीय निकाय का चुनाव प्रगतिशील समाजवादी पार्टी बहुत ही मजबूती के साथ लड़ेगी, जिसकी शुरुआत राजधानी लखनऊ से हो रही है।

मैनपुरी लोकसभा उप चुनाव पर अगले एक-दो दिनों में फैसला होने की बात कही। पार्टी का जो निर्णय होगा सभी को बता दिया जायेगा।

प्रदेश के प्रमुख महासचिव व प्रवक्ता अजय त्रिपाठी (मुन्ना) ने कहा कि निकाय चुनाव को लेकर सारी तैयारियां हो चुकी हैं। प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया चल रही है और संगठन के विस्तार पर लगातार काम किया जा रहा है। मैनपुरी उप चुनाव को लेकर हाईकमान का जो भी निर्देश होगा, उसका सभी पार्टी कार्यकर्ता पालन करेंगे। प्रसपा प्रदेश अध्यक्ष यहां से लालबाग रिंग रोड पर पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अनिल वर्मा और प्रसपा के नेता नीरज यादव के द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में भी पहुंच कर सभा को सम्बोधित किया।

व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष रामबाबू रस्तोगी के कार्यालय कल्याण गिरी मन्दिर ठाकुर गंज पर आयोजित सम्मान समारोह और बैठक में भी पहुंचे। इस मौके पर रंजीत यादव, आशुतोष त्रिपाठी, अलीम ख़ान, अनूप सिंह, प्रखर सिंह, ग्यासुल हक, अनिल वर्मा, अजय अवस्थी, शोएब खान सहित बहुत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहें।

अतीक की पत्नी एआईएमआईएम के सिंबल पर लड़ेंगी मेयर का चुनाव

बसपा से गठबंधन को लेकर नहीं दिया कोई जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। बाहुबली पूर्व सांसद अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन ने निकाय चुनाव में प्रयागराज नगर निगम के मेयर पद का चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। अपने पति अतीक अहमद से गुजरात के साबरमती जेल में मुलाकात कर लौटने के बाद शाइस्ता परवीन ने प्रेस कांफ्रेंस कर चुनाव लड़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि पूर्व सांसद अतीक अहमद के निर्देश पर ही वे मेयर पद का चुनाव लड़ेंगी।

उन्होंने कहा कि सीट जनरल रहे या बैकवर्ड, वह मेयर का चुनाव जरूर लड़ेंगी। अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम की नेता हैं। शाइस्ता परवीन ने कहा है कि वे एआईएमआईएम के सिंबल पर ही चुनाव लड़ेंगी। शाइस्ता परवीन ने दावा किया कि नगर निकाय चुनाव में एआईएमआईएम का मायावती की पार्टी बीएसपी से गठबंधन हो सकता है। गठबंधन को लेकर वह जल्द ही बीएसपी प्रमुख मायावती से मुलाकात भी करेंगी। उन्होंने कहा कि वह मायावती को ओवैसी के साथ गठबंधन के लिए तैयार करेंगी। उन्होंने कहा कि समझौता हो गया तो एआईएमआईएम और बीएसपी गठबंधन से ही वह मेयर का चुनाव लड़ेंगी। शाइस्ता परवीन के इस दावे ने यूपी में नए सियासी समीकरण के संकेत दे दिए हैं। अगर नगर निकाय के चुनाव में ओवैसी और मायावती की पार्टियों का समझौता होता है और यह प्रयोग सफल होता है तो इसे लोकसभा चुनाव में भी आजमाया जा सकता है। वहीं सपा संरक्षक मुलायम सिंह के निधन से खाली हुई मैनपुरी सीट पर हो रहे उपचुनाव को लेकर शाइस्ता परवीन ने अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस सीट पर पहला हक उनके छोटे भाई शिवपाल सिंह यादव का है। शाइस्ता परवीन ने डिंपल यादव को सपा की ओर से प्रत्याशी बनाये जाने के फैसले को गलत करार दिया। शाइस्ता परवीन ने कहा कि डिंपल यादव भली महिला है, लेकिन वह मुलायम सिंह यादव के परिवार का खून नहीं है।

एलईडी बल्ब और सोलर लाइट पैनल के नाम पर लाखों का खेल

भाजपा नेता ने लगाया 1 करोड़ 14 लाख की खरीद में भ्रष्टचार का आरोप

ज्ञानेन्द्र तिवारी

सुलतानपुर। भाजपा नेता ने कोइरीपुर नगर पंचायत के अध्यक्ष व ईओ पर सौर्य ऊर्जा एवं स्ट्रीट लाइट के खरीदने में अनियमितता बरतने का आरोप लगाया है। सरकारी सामानों की खरीद बाजार भाव से अधिक पर हुई है। लगभग एक करोड़ चौदह लाख रुपए धनराशि का खेल हुआ है। जिसकी शिकायत भाजपा नेता ने सीएम योगी आदित्यनाथ से की है।

जानकारी के मुताबिक नगर पंचायत पर दो ही संस्थाओं को सामान खरीदने में वरीयता दी गई है। भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष व शिकायतकर्ता विश्वनाथ प्रसाद कौशल ने विकास योजनाओं को लेकर जनसूचना मांगी। उसके जवाब और बाजार के भाव में बड़ा अंतर मिला। नगर पंचायत पर कृषि सेवा केंद्र संस्था से एवरेडी कंपनी की 220 एलईडी लाइट 20,61,840 रुपए की खरीदी गई है। आरोप है कि 12,89,640 रुपए का भ्रष्टाचार हुआ। कोंटोसो कंपनी से 50 पोल के साथ 24 वॉट की डबल आर्म सोलर लाइट 60,04,384 रुपए की खरीदी गई, इसमें 43,99,584 रुपए हेर-फेर का आरोप है।

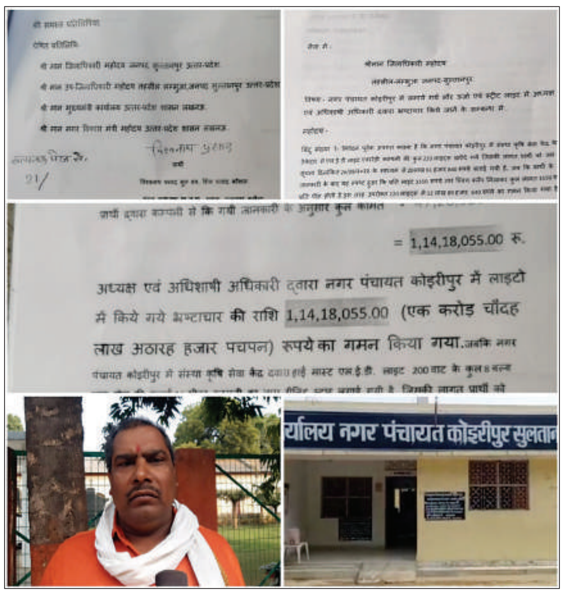

सीएम को शिकायती पत्र भेज किया भ्रष्टाचार का खुलासा

विश्वनाथ प्रसाद ने ये भी आरोप लगाया है कि 4 बल्ब वाले 20 पीस हाई मास्ट लाइट प्रति पीस 2,99,200 रुपए की दर से खरीदी गई, इसकी कीमत 49,560 रुपए मात्र है। लगभग 20,800 रुपए अधिक खर्च दिखाया गया। 200 वॉट की हाई मास्ट एलईडी लाइट (मय पोल कुल 8 बल्ब) 6 लाख 44 हजार 27 रुपए में खरीदा गया। इसकी कीमत 1,15,640 रुपए है, इसमें 5,28,587 रुपए का गबन हुआ।

शासन से निर्धारित रेट पर ही लगी लाइटें: अध्यक्ष

15 सोलर पैनल 40 वॉट के 11,80,350 रुपए में खरीदे गए हैं, जहां इसमें 8 लाख 10 हजार 66 रुपए का खेल हुआ। 35 सोलर पैनल लाइट वाले 32,62,374 रुपए में कंपनी से खरीदा गया। इसमें कुल 23,98,378 रुपए धनराशि का खेल हुआ है। इस बाबत जानकारी करने पर नगर पंचायत अध्यक्ष संजय साहू ने कहा कि लगाये गए आरोप बेबुनियाद है, चाहे तो जांच करा लें। शासन से जो रेट निर्धारित हुआ उसी आधार पर लाइटें खरीदी गई है।

डीएम ने मण्डी का किया औचक निरीक्षण, धान क्रय केन्द्रों की जांच की

» धान क्रय से संबंधित सभी रजिस्टरों को किया चेक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बांदा। डीएम दीपा रंजन ने मण्डी स्थित राजकीय धान क्रय केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। प्रभारी पंकज कुमार से अब तक हुई धान खरीद के बारे में जानकारी ली। बताया गया कि 382 कु0 धान की खरीद की गयी है। उन्होंने धान क्रय हेतु उपलब्ध पाये गये। कांटा, बांट, पावर डस्टर एवं धान नमी मापक यंत्र को चेक कराया। जिलाधिकारी ने केन्द्र प्रभारी को निर्देश दिये कि केन्द्र में आने वाले किसानों का धान क्रय रजिस्टर में नाम, मोबाइल नम्बर अवश्य अंकित करें। साथ ही टोकन रजिस्टर अपडेट न पाये जाने पर जमकर फटकार लगाई।

डीएम ने धान विक्रय के लिए आये किसान जगतराम से पूछा कि धान खरीद में किसी प्रकार की परेशानी तो नही हुई है, जिस पर किसान द्वारा बताया गया कि किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। उन्होंने केन्द्र में बोरों की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए केन्द्र प्रभारी को निर्देश दिये कि किसानों को धान खरीद हेतु फोन पर सूचित करने के साथ अधिक से अधिक किसानों का धान खरीद हेतु रजिस्ट्रेशन कराये जाने के निर्देश दिये।

डेंगू से लगातार हो रही है मौतें: पवन पांडे

» डिप्टी सीएम और अफसर सिर्फ आंकड़े बाजी में जुटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। डेंगू को लेकर पूरे प्रदेश में हाहाकार मचा हुआ है। अयोध्या जिले में डेंगू से हो रही लगातार मौतों को लेकर समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री पवन पाण्डेय ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। हाथ में डेंगू को लेकर अखबार में छपी एक खबर की कटिंग लेकर वीडियो वायरल किया है।

उन्होंने प्रदेश सरकार और डिप्टी सीएम समेत स्वास्थ्य महकमें के अफसरों पर जनता की अनदेखी करने का आरोप लगाया। कहा कि डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य महकमे के अफसर सिर्फ दिखावेबाजी में जुटे है, हकीकत में कोई काम नहीं हो रहा है। यहां तक कि मेडिकल कॉलेज में डेंगू की जांच की मशीन खराब पड़ी है। मेडिकल कॉलेज के ठीक सामने कूड़े का अंबार लगा हुआ है। जनता को प्रदेश सरकार छल रही है। प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या में डेंगू से लगातार मौतें हो रही हैं लेकिन इसकी रोकथाम या इसके इलाज की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है।

पांच स्कूलों को मान्यता दिलाने के लिए अफसरों ने कर दी फर्जी रिपोर्टिंग

अतुल कुमार यादव

गोंडा। नियमों को दरकिनार कर वित्त विहीन विद्यालयों को मान्यता दिलाने का राजफाश हुआ है। अफसरों ने पांच विद्यालयों के अधोमानक होने के बाद भी मान्यता की संस्तुति कर दी। क्षेत्रीय कार्यालय से लेकर तहसील स्तर के तत्कालीन अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध मानते हुए शासन ने ब्योरा तलब किया है। इसे लेकर अफसरों में अफरातफरी मच गई है। वहीं अधिकारी देर सबेर मान्यता समिति में शामिल अधिकारियों पर गाज गिरने की बात कह रहे हैं।

शिक्षा सत्र 2020 में देहातीय इंटर कालेज देवरिया अलावल, डॉ. श्री नारायण पुष्पा तिवारी एजुकेशनल इंस्टिट्यूट इंटर कालेज, चिरेबसना आजाद नगर डिड़सिया कला बेलसर, बाबा पाटनदीन मिश्र स्मारक इंका कोचवा भैरमपुर, आरके मेमोरियल इंटर कालेज तेंदुवा भगत व रूप नारायन पाण्डेय मेमोरियल पब्लिक स्कूल सेमरी परसपुर की मान्यता की संस्तुति की गई थी। कालेजों के मानक पूरा होने का दावा

करते हुए अधिकारियों ने प्रस्ताव भेजा था। शासन को भेजे गए प्रस्ताव में खामियां मिलने पर दोबारा जिला विद्यालय निरीक्षक से जांच कराई गई। पड़ताल में भवन व चहारदीवारी न होने की बात सामने आई। इसकी रिपोर्ट अधिकारियों ने भेजी गई। प्रमुख सचिव दीपक कुमार ने शिक्षा निदेशक से मानक अपूर्ण होने के बाद भी गलत रिपोर्ट लगाने वाले क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों से लेकर लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक को चिन्हित करके आख्या मांगी है।

इनका मांगा गया ब्योरा

प्रमुख सचिव दीपक कुमार ने गलत रिपोर्ट भेजने के लिए प्रथम दृष्टया दोषी क्षेत्रीय कार्यालय गोरखपुर के अधिकारी एवं मान्यता का कार्य देख रहे प्रशासनिक अधिकारी, पटल सहायकों के नाम, मंडल स्तरीय अधिकारी एवं कार्यालय के पटल सहायक, तत्कालीन जिला विद्यालय निरीक्षक व मान्यता का कार्य देख रहे पटल सहायक, मान्यता समिति में सम्मिलित पटल सहायकों का विवरण मांगा है। इस पर माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार से अधिकारियों व पटल सहायकों के बारे में सूचना मांगी है। तीन दिनों के भीतर अफसरों को चिन्हित कर पूरी रिपोर्ट मांगी है।

बिहार का अंतराज्यीय कुख्यात साइबर अपराधी गिरफ्तार

» किया इंडिया कार की डीलरशिप देने के नाम पर ऑनलाइन 50 लाख 51 हजार ठगने का है आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। अयोध्या परिक्षेत्र के साइबर क्राइम पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाने की पुलिस ने कार कंपनी किया इंडिया एजेन्सी की डीलरशिप देने के नाम पर गूगल सर्च पर फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगी करने के मामले में बिहार नालंदा निवासी सुमन कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार इस ठगी की शिकायत शैलेन्द्र सिंह निवासी सहादतगंज द्वारा पुलिस से की गई थी। जिसमे किया इंडिया की एजेंसी लेने के इच्छुक श्री सिंह ने जब गूगल सर्च पर किया कार कंपनी की वेबसाइट पर जाकर अपना निजी डिटेल भरा तो वह इन्फॉर्मेशन इन ठगों द्वारा संचालित फर्जी वेबसाइट की जरिये उन तक पहुंच गई। जिसके बाद अभियुक्तगणों द्वारा शैलेन्द्र के मोबाइल नम्बर पर सम्पर्क कर किया इंडिया की एजेन्सी की डीलरशिप देने के लिए फर्जी डाक्यूमेन्टस आदि उनके मेल पर भेजकर रजिस्ट्रेशन फीस, सिक्योरिटी डिपाजिट,

सैम्पल कार आदि देने के नाम पर 29 अगस्त 2022 से 03 सितम्बर 2022 तक कुल तीन किस्तों में 50 लाख 51 हजार रूपये धोखाधड़ी करके अभियुक्तों द्वारा बताये गये गये दो फर्जी खातो में जमा करवा लिया गया। जिसके सम्बन्ध में उन्होंने थाना कैंट में मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। घटना के खुलासे के लिए नोडल अधिकारी थाना साइबर क्राइम अयोध्या परिक्षेत्र क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में साइबर क्राइम थाना टीम द्वारा तकनीकी सहायता से अन्तराज्यीय साइबर अपराधी को अपराध में प्रयुक्त संसाधनों के साथ गिरफ्तार कर घटना का सफल अनावरण किया गया। पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले गिरफ्तार सुमन कुमार पुत्र भूषण प्रसाद निवासी ग्राम पलटपुर पोस्ट कटौना थाना कटरीसराय जनपद नालंदा, बिहार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने पकड़े गए साइबर अपराधी के पास से प्रिन्टर, कई फर्जी सिम, मोबाइल, लैपटाप, पेनड्राइव, एटीएम कार्ड बरामद किया है।

मैनपुरी की जनता बोली, हमें बीजेपी को हराना है

सपा से डिंपल यादव उम्मीदवार, भाजपा ने भी कसी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा सीट मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद से खाली हो गई है। इस सीट पर 5 दिसंबर को उपचुनाव होना है। समाजवादी पार्टी ने सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को मैदान में उतारा है। इससे पहले इस सीट के लिए तमाम नामों को लेकर जमकर अटकलबाजी चल रही थी। लेकिन डिंपल यादव के नाम का ऐलान होते ही सभी कयासों पर विराम लग गया। अब देखना है कि बीजेपी किस के नाम पर दांव लगाती है। वहीं शिवपाल यादव भी मैनपुरी सीट को लेकर 2 से 3 दिन में अपने पत्ते खोलने की बात कह रहे हैं। इन समीकरणों को देखते हुए मैनपुरी लोकसभा सीट का उपचुनाव टक्कर का होता दिख रहा है।

मैनपुरी की जनता इस उपचुनाव को लेकर कहती है कि हमें सपा के चुनाव चिह्न से मतलब है, फिर चाहे डिंपल खड़ी हों या कोई और, हमे सिर्फ सपा से मतलब है। वहीं जब हमने एक युवा वोटर से पूछा कि अगर शिवपाल यादव इस सीट से अपना प्रत्याशी उतारते हैं तो? इस पर युवा वोटर ने कहा कि जब आएगा तब देखा जाएगा कि किसे वोट करना है। फिलहाल हमें तो बीजेपी को हराना है। संजीव गुप्ता नाम के एक युवा वोटर ने कहा कि अगर प्रसपा का प्रत्याशी इस सीट चुनाव में उतरता है तो हम सब बैठ कर चर्चा करेंगे। संजीव बात खत्म करते हुए कहते हैं कि कुल मिलाकर हमें भाजपा को हराना है। वहीं आलोक शाक्य को मैनपुरी का नया जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर वोटरों ने कहा इससे सपा को भरपूर फायदा मिलेगा। बता दें कि इस सीट पर 10 नवंबर से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वहीं 17 नवंबर तक नामांकन होगा। जबकि 21 नवंबर तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे।

घोटालों की सरकार बनी भाजपा सरकार

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार घोटालों की सरकार बन गई है। उसके झूठ के कारोबार से पर्दा उठने लगा है। नौजवानों को रोटी-रोजगार देना तो दूर शिक्षा के क्षेत्र में उनके लिए दरवाजे भी बंद किए जा रहे हैं। आयुष घोटाला तो महज एक गिनती है। पर्दा उठने पर न जाने कितने घोटाले सामने आएंगे। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सरकारी और निजी कालेजों में आयुष की सीटों पर प्रवेश को लेकर एक बड़ा गोरखधंधा चलता रहा और भाजपा सरकार अनजान बनी रही। किसी को पता ही नहीं चला। नीट में शामिल हुए बगैर सैकड़ों छात्रों के दाखिले आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी कालेजों में कर दिए गए। पूरे प्रदेश में 891 दाखिलों में फर्जीवाड़ा मिला है। जांच करने वाले अभी छोटे कर्मचारियों को ही निशाने पर ले रहे हैं। विभाग के बड़े लोग छुट्टा घूम रहे हैं।

अखिलेश की टीम जांच करने कानपुर पहुंची विधायक इरफान सोलंकी के घर

» 11 सदस्यीय टीम ने इरफान के परिजनों और पुलिस कमिश्नर से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर प्लॉट पर कब्जे को लेकर आगजनी के आरोपी सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भूमाफिया भाई रिजवान सोलंकी की गिरफ्तारी के लिए कानपुर पुलिस दिन रात एक किए हुए हैं। इधर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के निर्देश पर 10 विधायकों सहित 11 सदस्यों की एक टीम कानपुर पहुंची और विधायक के घर जाकर उनके परिजनों से पूरी घटना के बारे में जानकारी ली। इरफान के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखकर प्रतिनिधि मंडल ने फिलहाल इरफान को क्लीन चिट दी और पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड से मिलने उनके कार्यालय पहुंचे। जिस तरह से बिना किसी ठोस सबूत के विधायक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं, इसको लेकर सपा के प्रतिनिधि मंडल ने नाराजगी जताई और कहा कि पूरी घटना की निष्पक्ष जांच हो। विधानसभा में मुख्य सचेतक विधायक मनोज पाण्डेय ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में इरफान व उनके भाई नजर नहीं आ रहे। जिस जगह पर आगजनी हुई है, वहां पर बच्चे आतिशबाजी कर रहे थे। बिना किसी पर्याप्त सबूत के यदि विधायक की गिरफ्तारी होती है तो समाजवादी पार्टी इसका पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि जिसकी लाठी उसकी भैंस। सूबे में सरकार भाजपा की है लेकिन देश का संविधान बहुत मजबूत है। अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

ममता के मंत्री ने राष्ट्रपति पर की विवादित टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मंत्री और टीएमसी नेता अखिल गिरि ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू पर विवादित टिप्पणी की है। उन्होंने नंदीग्राम में कहा- हम किसी को उनकी शक्ल से नहीं आंकते। हम भारत के राष्ट्रपति का सम्मान करते हैं, लेकिन हमारी राष्ट्रपति कैसी दिखती हैं? टीएमसी नेता के इस बयान पर बवाल शुरू हो गया है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने अखिल गिरि के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने कहा ममता बनर्जी हमेशा से आदिवासी विरोधी रही हैं। चुनाव में उन्होंने द्रौपदी मुर्मू का समर्थन नहीं किया और अब यह। अभिव्यक्ति का शर्मनाक स्तर। हालांकिममता बनर्जी की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। भाजपा ने कहा कि राष्ट्रपति आदिवासी हैं और उनके मंत्री के बयान से साफ है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी आदिवासी विरोधी है।

गुजरात चुनाव में स्टार प्रचारक होंगे निरहुआ

» सांसद रवि किशन के साथ हेमामालिनी भी करेंगी चुनाव प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गुजरात में अगले महीने होने वाले विधान सभा चुनाव को लेकर भाजपा ने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत अभिनेत्री व मथुरा की सांसद हेमा मालिनी का नाम शामिल है। साथ ही यूपी के भोजपुरी सुपर स्टारों का गुजरात में जलवा रहेगा। गोरखपुर से सांसद रवि किशन और आजमगढ़ सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ के साथ दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी भी भाजपा के लिए प्रचार करेंगे।

पहले चरण के स्टार प्रचारकों की सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित 10 केन्द्रीय मंत्री शामिल हैं। साथ ही 5 मुख्यमंत्रियों-उपमुख्यमंत्रियों के भी नाम हैं। पहले चरण के लिए 1 दिसंबर को मतदान होगा। 89 सीटों पर प्रचार के लिए प्रधानमंत्री मोदी व शाह के साथ-साथ राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी, अर्जुन मुंडा, धर्मेन्द्र प्रधान व गुजरात से मनसुख मांडविया व परषोत्तम रूपाला तथा पार्टी के सह केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव भी शामिल है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ शिवराज सिंह चौहान, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़णवीस भी हैं।

आवश्यकता है

लखनऊ के तेजी से बढ़ते हुए बहुचर्चित अखबार सांध्य दैनिक

सांध्य दैनिक 4PM जिद...सच की

के लिये अनुभवी उपसंपादक और वीडियो एडिटर की जरूरत है।

खबरों पर तेज निगाह रखने वाले अपनी सीवी मेल करें।

daily4pm@gmail.com
sharmasanjaya.05@gmail.com

कांग्रेस अकेले लड़ेगी निकाय चुनाव : खाबरी

» प्रदेश अध्यक्ष बोले, नहीं होगा किसी से भी गठबंधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के पद पर तोजपोशी के बाद पहली बार संगम नगरी प्रयागराज पहुंचे बृजलाल खाबरी ने अकेले दम पर निकाय चुनाव लड़ने की बात कही है। उन्होंने निकाय चुनाव में बसपा के साथ गठबंधन की अटकलों को सिरे से नकारते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने सिंबल पर वार्डों से लेकर मेयर तक का चुनाव लड़ेगी और जीत भी दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के किसी नेता ने अगर गठबंधन को लेकर कोई बयान दिया है, तो वह उनका निजी बयान हो सकता है।

उन्होंने कहा कि पार्टी निकाय चुनाव के साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव भी अकेले दम पर ही लड़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सामने जो भी चुनौतियां आएंगी, पार्टी उसका डटकर मुकाबला करेगी।

उपचुनाव न लड़ने के सवाल पर कहा कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व का जो निर्णय होगा पार्टी उस पर अमल करेंगे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जल्द ही वे अपनी टीम का भी ऐलान करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव भी लड़ती रहेगी और पार्टी संगठन को भी मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि प्रयागराज पंडित जवाहरलाल नेहरु की जन्मभूमि और कर्मभूमि दोनों है, इसलिए कांग्रेस इसे कभी नहीं छोड़ेगी और हर तरह से लड़ाई लड़ेगी। कांग्रेस महासचिव और यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा को फूलपुर संसदीय सीट से चुनाव लड़ाने की कार्यकर्ताओं की इच्छा को लेकर कहा कि अगर प्रियंका जी को सदन में ही जाना है तो बिना चुनाव लड़े भी पहुंच जाएंगी। उन्होंने कहा कि फूलपुर में जो उपयुक्त प्रत्याशी होगा उसे ही पार्टी चुनाव लड़ायेगी। उन्होंने कहा कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं की जनभावनाओं का आदर करते हैं, लेकिन फूलपुर से चुनाव लड़ने का फैसला खुद प्रियंका गांधी और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को ही करना है। वहीं पूरब का आक्सफोर्ड कहे जाने वाले इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी में 400 प्रतिशत फीस वृद्धि के खिलाफ छात्रों के आन्दोलन का भी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस बच्चों, नौजवानों और बुजुर्गों के साथ खड़ी है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।